आध्यात्मिक विश्वविद्यालय

ओपिनियन-फॉर्म

दिनांक-.....

नाम -

.....

.....

स्थान-

.....

.....

व्यवसाय -

.....

.....

मो.नं -

.....

.....

---- फॉर्म ----

कृपया [ ] में सहमतिदर्शक '✓' यह चिन्ह करेः-

1. क्या आप मानते हैं कि आज का मनुष्य अपनी वास्तविक पहचान भूल गया है। कि हम नाशवान 'देह नहीं-अविनाशी आत्मा हैं [ ]

2. क्या आप मानते हैं कि संसार में भ्रष्टाचार-व्यभिचार चरम-सीमा पर पहुँच चुका है। [ ]

3. क्या आप मानते हैं कि व्यक्ति-2 से दूर जा रहे हैं, स्नेह-सौहार्द कम हो चुका है। आपसी मत-भेद और स्वार्थ के कारण, देश-देश आपस में युद्ध करने पर तुले हुए हैं। धर्मों में आपस में वैर-भाव बढ़ता जा रहा है। दहशतवाद का खतरा सारे संसार के लिए बढ़ता जा रहा है। [ ]

4. क्या आप मानते हैं कि वैज्ञानिक भौतिक प्रगति सुविधाएँ दे रहे हैं; परंतु मन की शांति नहीं दे सकती। सदाकाल सुख-शांति की प्राप्ति भगवान के सिवाय कोई नहीं करा सकते है। [ ]

5. क्या आप मानते हैं मनुष्य-मात्र अपने जीवन के अंतिम लक्ष्य को और कर्मों की गुह्य गति को नहीं जानते है। [ ]

6. क्या आप मानते हैं सारे संसार का पिता ईश्वर ही है, उसे न जानने से, आपस में लड़कर हम सारे मनुष्य तनाव-युक्त, दुखी और अशांत बने हैं। उस एक विश्वपिता को पहचाने बिना आत्मा-2 भाई-2, हिन्दु, मुस्लिम, सिक्ख, ईसाई सब मिल करके आपस में भाई-2 नहीं बन सकते हैं।

6. क्या आप मानते हैं सृष्टि-रुपी मकान की मरम्मत तथा सुधार, अनेक मनुष्य-गुरु तथा महात्माओं-द्वारा लंबे-काल से होता चला आया; परंतु वह सुधार अल्प-काल का होता रहा। अब समय आ चुका है कि कलियुग का विनाश और सतयुग की स्थापना हो और सृष्टि के संपूर्ण परिवर्तन का यह कार्य स्वयं ईश्वर धर्मपिताओं का भी बाप, बापों का बाप, गॉड फादर अल्लाह के मुकर्रर रथ शिव-शंकर के सिवाय कोई भी नहीं कर सकता; क्योंकि शिव के साथ सिर्फ़ शंकर का ही नाम जोड़ा जाता है। जिन्हें सब धर्म वाले भी आदि पुरूष, एडम, आदम के रूप में मानते है। [ ]

7. क्या आप मानते हैं कि सनातन धर्म के धर्मपिता आदिदेव शिव-शंकर ही है। [ ]

8. क्या आप मानते हैं कि गीता के कथनानुसार- संसार में धर्म की सम्पूर्ण ग्लानि और अधर्म का बोलबाला वर्तमान समय में दिखाई दे रहा है। [ ]

9. क्या आप मानते हैं कि धर्म-अधर्म के बीच 5000 वर्ष पूर्व के महाभारत युद्ध का समय वर्तमान समय ही है। [ ]

10. क्या आप मानते हैं यदा-यदा हि धर्मस्य..... इस वचनानुसार ईश्वर को अधर्मों का विनाश करने के लिए और साकार मनुष्य-सृष्टि में प्राचीनतम सनातन धर्म स्थापन करने के लिए प्राचीनतम देश भारत में ही आना पड़ता है। [ ]

11. क्या आप मानते हैं कि गीता का भगवान यादगार मंदिरों का श्रीकृष्ण बच्चा नहीं है, गीता का भगवान परमपिता+परमात्मा शिव है [ ]

12. क्या आप मानते हैं कि ईश्वर सर्वव्यापी नहीं है। [ ]

13. क्या आप मानते हैं कि पतित-पावनी गंगा नहीं है, पतितों से पावन बनाने वाला एक ईश्वर ही है। [ ]

14. क्या आप मानते हैं "स्वमेवात्मनात्मानं" (गीता 10/15) के अनुसार ईश्वर का यथार्थ परिचय, स्वयं ईश्वर के अलावा और कोई भी नहीं दे सकता।

15. क्या आप मानते हैं कि वर्तमान समय में साकार में आए भगवान का प्रैक्टिकल पार्ट कहीं अवश्य चल रहा है। [ ]

16. आध्यात्मिक विश्वविद्यालय के बारे में आपका कोई मंतव्य----------

हस्ताक्षर -.....